

शहरी मिर्जापुर के उपभोक्ताओं के बीच प्रसंस्कृत पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की आवृत्ति और खपत का आकलन

मोनिका दीक्षित¹, डॉ० माधवी पांडे²

¹रिसर्च स्कॉलर, गृह विज्ञान विभाग, मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भोपाल

²सहायक प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग, मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भोपाल

सार

खपत के तरीकों में हाल के बदलावों ने, विशेष रूप से मध्यम और उच्च आय समूहों में हुए बदलावों ने, देश में प्रसंस्कृत खाद्य खंडों के लिए विचार करने योगी अवसरों को दर्शाया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती हुई पैठ भी प्रसंस्कृत खाद्यसामाग्री के उपभोग को बढ़ावा दे रही है। यह अध्ययन शहरी मिर्जापुर के उपभोक्ताओं के बीच प्रसंस्कृत पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की आवृत्ति और खपत का आकलन करने के लिए किया गया। यह पाया गया कि उपभोक्ताओं के बीच सब से लोक प्रिय खाद्य पदार्थ (अधिकांश उपभोक्ताओं द्वारा उपभोग किए जाने वाले) मीठे बिस्कुट (92%), नमकीन थे बिस्कुट (83%), केचप और सॉस (76%), मक्खन और पनीर (75%), नूडल्स, पास्ता और मैकरोनी (75%), पापड़ (72%), नमकीन और नमकीन (71%), सूप (65%), चिप्स (64%), केक (55%) और रअचार (65%)।

परिचय

समय के साथ, खाद्य पदार्थों के प्रावधान की नई प्रणालियाँ भी विकसित हुई हैं, जैसे कि प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में विशेषज्ञता रखने वाले सुपरमार्केट, रेस्तरां और फास्ट फूड की कई शैलियों का आगमन, जिससे आहार के पश्चिमी तरीकों की ओर संक्रमण

में तेज़ी आई है। शहरी क्षेत्रों में पिछले दो दशकों में बिस्कुट , नमकीन स्नैक्स, तैयार मिठाइयाँ, खाद्य तेल और चीनी की खपत में वृद्धि देखी गई है

भारतीय उपभोक्ता भोजन की गुणवत्ता में होने वाले बदलावों पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और पोषण संबंधी आहार , स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा मुद्दों के बारे में अधिक जागरूक हो रहे हैं । परंपरागत रूप से , भारतीय उपभोक्ता प्रसंस्कृत और पैकेज्ड भोजन की तुलना में ताजा और अप्रसंस्कृत भोजन को प्राथमिकता देते हैं , हालांकि खपत के तरीकों में हाल के बदलावों ने, विशेष रूप से मध्यम और उच्च आय समूहों में हुए बदलावों ने , देश में प्रसंस्कृत खाद्य खंडों के लिए विचार करने योगी अवसरों को दर्शाया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती हुई पैठ भी प्रसंस्कृत खाद्यसामाग्री के उपभोग को बढ़ावा दे रही है ।

उद्देश्य

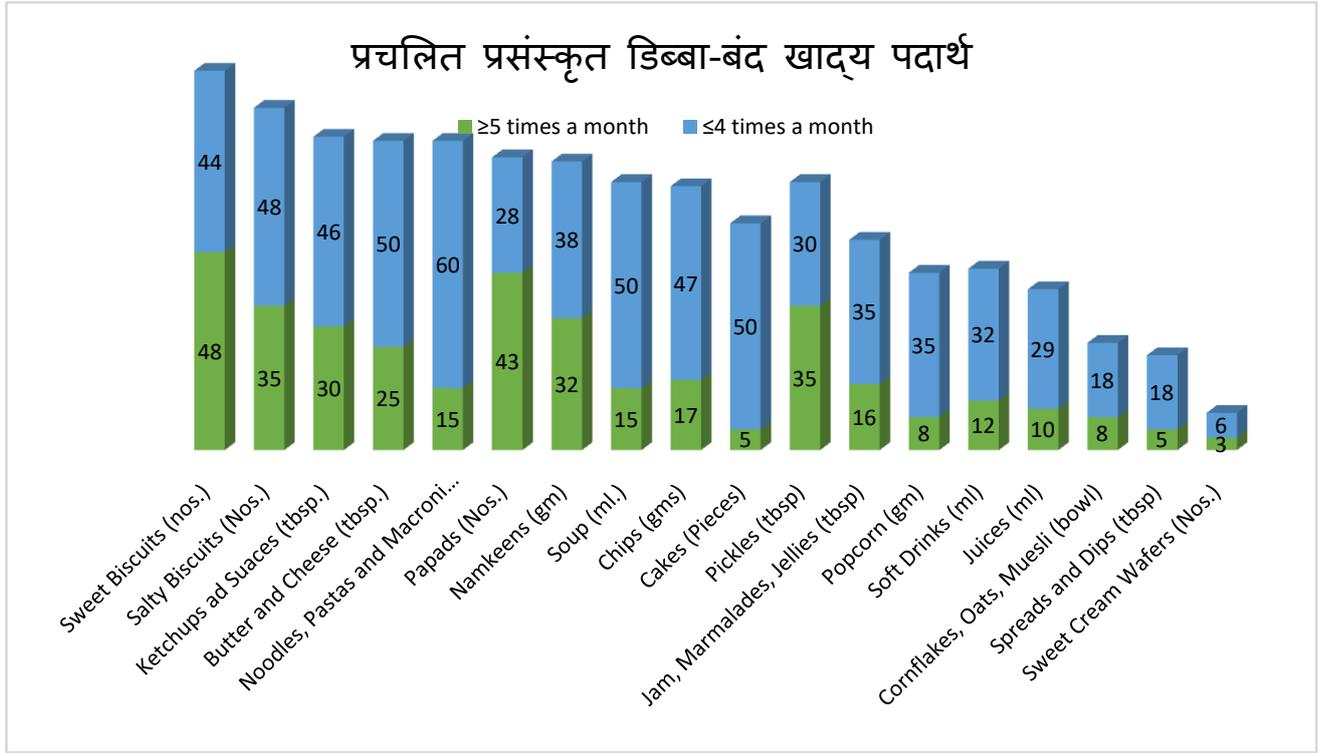
•शहरी मिर्जापुर के उपभोक्ताओं के बीच प्रसंस्कृत पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की आवृत्ति और खपत का आकलन करना।

शोध विधि

विभिन्न राष्ट्रीय और स्थानीय ब्रांडों के लगभग 1000 संसाधित पैकेज्ड खाद्य पदार्थों को सूचीबद्ध किया गया। उन्हें विभिन्न खाद्य श्रेणियों में और आगे दिए गए प्रमुख घटक के आधार पर 10 खाद्य समूहों में वर्गीकृत किया गया

स्थितिजन्य विश्लेषण का उद्देश्य मिर्जापुर के ≥ 15 वर्ष आयु वर्ग के विषयों द्वारा उपभोग किए जाने वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की आवृत्ति और मात्रा के बारे में जानकारी प्राप्त करना था। अध्ययन में भाग लेने के लिए सहमत होने वाले विषयों से लिखित सूचित सहमति ली गई। कुल 390 विषयों को नामांकित किया गया और उन्हें लिंग और आयु समूहों के अनुसार वर्गीकृत किया गया। सामाजिक-जनसांख्यिकीय विशेषताओं और प्रसंस्कृत पैकेज्ड खाद्य उपभोग डेटा को अर्ध-संरचित प्रश्नावली का उपयोग करके एकत्र किया गया था। विभिन्न सामान्य श्रेणियों में प्रसंस्कृत पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के ब्रांड , मात्रा और उपभोग की आवृत्ति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए अर्ध-मात्रात्मक खाद्य आवृत्ति प्रश्नावली का उपयोग किया गया

परिणाम एवं परिचर्चा



अध्ययन की गई जनसंख्या में सबसे लोक प्रिय भोजन मीठे बिस्कुट थे और इसका उपभोग 92% उपभोक्ताओं द्वारा किया गया था। मीठे बिस्कुट के उपभोग के बाद नमकीन बिस्कुट (83%), कैचअप और सॉस (76%), मक्खन और पनीर (75%), नूडल्स, पास्ता और मैकरोनी (75%), पापड़ (72%), नमकीन और सेवोयर (71%), सूप (65%), चिप्स (64%), केक (55%), अचार (65%), जैम, मुरब्बा और जेली (51%) और शेष प्रसंस्कृत पैकेज्ड खाद्य पदार्थों का उपभोग 50% से कम विषयों द्वारा किया गया था।

ये आंकड़े उपभोक्ताओं द्वारा उपभोग किए गए प्रत्येक प्रसंस्कृत पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की प्रतिशत आवृत्ति को भी दर्शाते हैं। इन आंकड़ों में देखा जा सकता है कि मीठे बिस्कुट का सेवन 48% उपभोक्ताओं द्वारा "महीने में ≥5 बार" किया गया था और 44% उपभोक्ताओं ने इसे कम बार यानी महीने में ≤4 बार मीठे बिस्कुट खाए। इसी तरह, 43% उपभोक्ताओं द्वारा "महीने में ≥5 बार" और 28% उपभोक्ताओं द्वारा "महीने में ≤4 बार" पापड़ का सेवन किया गया।

- अधिकांश बार-बारग्रहण किया हुआ खाद्य पदार्थ (महीने में ≥5 बार) थे मिठाई बिस्कुट, पापड़, नमकीन बिस्कुट, नमकीन, अचार, केचप और सॉस, मक्खन और

पनीर, सूप, चिप्स, जैम, मुरब्बा और जेली, नूडल्स, पास्ता और मैकरोनी, जूस, कॉर्नफ्लेक्स, ओट्स और म्यूसली, शीतल पेय, पॉपकॉर्न, स्प्रेड और डिप्स, केक और मीठे क्रीम वेफर्स।

निष्कर्ष

उपभोक्ताओं के बीच सब से लोक प्रिय खाद्य पदार्थ (अधिकांश उपभोक्ताओं द्वारा उपभोग किए जाने वाले) मीठे बिस्कुट (92%), नमकीन थे बिस्कुट (83%), केचप और सॉस (76%), मक्खन और पनीर (75%), नूडल्स, पास्ता और मैकरोनी (75%), पापड़ (72%), नमकीन और नमकीन (71%), सूप(65%), चिप्स(64%), केक(55%) और अचार (65%).

अधिकांश बार-बार ग्रहण किया हुआ खाद्य पदार्थ (महीनेमें ≥ 5 बार) थे मिठाई बिस्कुट, पापड़, नमकीन बिस्कुट, नमकीन, अचार, केचप और सॉस, मक्खन और पनीर, सूप, चिप्स, जैम, मुरब्बा और जेली, नूडल्स, पास्ता और मैकरोनी, जूस, कॉर्नफ्लेक्स, ओट्स और म्यूसली, शीतल पेय, पॉपकॉर्न, स्प्रेड और डिप्स, केक और मीठे क्रीम वेफर्स।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- [1]. कोडेक्स एलीमेंटरीउस (1985) गाइड लाइनज ऑन न्यूट्रिशन लेबेलिंग (CAC/GL2- 1985).
- [2]. गुथरी जे एफ एंड मोर्टन जे एफ (2000) फूड सोरसिस ऑफ एडिड स्विटनर्स इन डाइट ऑफ एमेरिकनस। जे एम डाइट एससोस, 100:43-48.
- [3]. ब्रेडबेननेर सी , अलफीरी एल , वॉंग ए एंड कोटी पी (2001) द इन्हेरन्ट एडयूकेशनल क्वालिटीज ऑफ न्यूट्रिशन लेबेलस। फेमिली एंड कंसयूमर साइन्सिस रिसर्च जर्नल, 29(3):265-280
- [4]. एलियोट एट एल (2002) फरुकटोस, वेट गेन एंड द इंसुलिन रेजिसटेन्स सिंड्रोम। एम जे क्ली नूत्र, 76:911-922